

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६४

दिनांक-मंगलवार, ४ सितम्बर, २०१८



टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.४ एवं २५.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६१ सुबह में एवं दोपहर में ७७ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २७.५ एवं दोपहर में ३१.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेधशाला में ३५.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

**• मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(५ से ६ सितम्बर, २०१८)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ५ से ६ सितम्बर, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इस अवधि में सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ८ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ६० से ६५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ७५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की फसल में ब्राउन प्लांट होपर कीट की निगरानी करें। यह मच्छरनुमा कीट पौधा की पत्तियों एवं तने से रस चुसता है जिससे पत्तियां सुखी हुई तथा भुरे रंग की हो जाती है। प्रारंभ में यह एक स्थान में रहते हैं जो बाद में सारे खेत में फैल जाते हैं एवं कभी-कभी यह सारी फसल को नष्ट कर देती है। यदि प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोरोप्रिड @ ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट ५.० किलोग्राम तथा २.५ किलोग्राम बुझा चूना का ५०० लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव करें।
- धान की फसल में पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू धान के पत्तियों के दोनों किनारों को रेशमी धागे से जोड़कर उसके अन्दर रहते हैं तथा पत्तियों की हरीत्तमा को खाता है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते हैं। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- सितम्बर अरहर की पूसा-६ एवं शरद प्रभेद की बुआई उच्चोस जमीन में करे। उत्तर बिहार के लिए यह अनुसंशित प्रभेद है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुसंशित है।
- अगात मूली की बुआई करें। इसके लिए पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त आदि प्रभेद अनुसंशित है। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ X १० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- मिट्टी जनित रोग को नष्ट करने तथा स्वस्थ फसलों के उत्पादन हेतु किसान भाई ट्राइकोडरमा फफूंद से मृदा उपचार करें। इसके लिए एक किलोग्राम ट्राइकोडरमा को १०० किलोग्राम भिंगे गोबर की खाद में अच्छी तरह मिलाकर फर्श पर फैलाकर पॉलिथिन से ढक देते हैं। ६-७ दिनों बाद गोबर खाद मिश्रित ट्राइकोडरमा को खेत की अन्तिम जूताई में शाम के समय समान रूप से प्रयोग करते हैं। ध्यान दें कि नमीयुक्त गोबर की मिश्रित खाद का तापमान २५-३० डिग्री बनी रहें, इसके लिए बीच-बीच में खाद को उलट-पलट करते रहें। रासायनिक खाद के साथ इसे कदापि नहीं मिलावें।

आज का अधिकतम तापमान: ३०.२ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से २.३ डिग्री कम

आज का न्यूनतम तापमान: २५.० डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से ०.६ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी